Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 13 नवंबर, 2023

प्रदूषण नियंत्रण पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्देश

कई राज्य सरकारों को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिये गए हालिया निर्देश **वायु प्रदूषण की बढ़ती समस्या** का समाधान करने के लिये एक तत्काल आह्वान पर ज़ोर देते हैं।

- **पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, राजस्थान एवं दिल्ली में** पराली दहन **तत्काल बंद करने पर** ज़ोर देते हुए न्यायालय ने लोगों के जीवन व स्वास्थ्य पर पड़ने वाले हानिकारक प्रभाव पर चिंता व्यक्त की।
- विशेष रूप से न्यायालय ने प्रदूषण को एक गंभीर स्वास्थ्य खतरा बताते हुए इसकी निंदा की एवं इसे **'लोगों के स्वास्थ्य की हत्या'** के रूप में संदर्भित किया।
- इसके अतिरिक्त **इसने वाहन प्रदूषण को नियंत्रित करने के लिये 'ऑड-ईवन' स्कीम को एक अपर्याप्त तरीका बताते हुए इसकी आलोचना की** एवं राज्य के बाहर की टैक्सियों को दिल्ली में प्रवेश करने से रोकने का सुझाव दिया।

और पढ़ें...वायु प्रदूषण

कॉरपेट और एक्स-बोंगोसागर

भारतीय नौसेना और बांग्लादेश नौसेना के बीच द्विपक्षीय अभ्यास का**चौथा संस्करण**, बोंगोसागर-23 तथा दोनों देशों की नौसेनाओं द्वारा **कोऑर्डिनेटेड पेट्रोल- (समन्वित गश्ती-कॉरपेट) का 5वाँ संस्करण** हाल ही में **उत्तरी बंगाल की खाड़ी** में संचालित किया गया था।

- दोनों देशों की नौसेनाओं ने अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (IMBL) के आसपास संयुक्त गश्त की तथा बाद में इंटरऑपरेबिलिटी (अंतर-संचालनीयता) बढ़ाने के लिये समुद्री अभ्यास किया।
- **CORPAT-23 (भारत-बांग्लादेश)** के तहत दोनों नौसेनाओं के बीच पहला मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (HADR) अभ्यास भी हुआ, जिसमें समुद्र में खोज तथा बचाव परिदृश्य का अभ्यास किया गया था।
- अन्य संबंधित अभ्यास:
    - संप्रीति (SAMPRITI)**: वार्षिक सैन्य अभ्यास (11वाँ संस्करण अक्तूबर 2023 में उमरोई, मेघालय में आयोजित किया गया)।**

और पढ़ें...बोंगोसागर अभ्यास**,** भारत-बांग्लादेश संबंध

शनि के वलय

ग्रह के झुकाव (जो हर 13 से 15 वर्ष में होता है) और पृथ्वी की दृष्टि रेखा के साथ इसके वलय के संरेखण की वजह से उत्पन्न **ऑप्टिकल भ्रम के कारण वर्ष 2025 में शनि के वलय** कुछ समय के लिये दृश्य से गायब हो जाएंगे।

- जैसे-जैसे शनि सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाता रहेगा, वलय धीरे-धीरे फिर से दिखाई देने लगेंगे।
- नासा के अनुसार, शनि ग्रह के गुरुत्वाकर्षण खिचाव और उसके **चुंबकीय क्षेत्र के कारण अगले 300 मिलियन वर्षों में शनि के वलय पूरी तरह से समाप्त हो जाने की आशंका** है।
  - **"रिंग रेन" की घटना के कारण** शनि के चुंबकीय क्षेत्र के प्रभाव में वलय से बर्फ के कण इसके गुरुत्वाकर्षण द्वारा ग्रह में खींच लिये जाते हैं।
- **शनि ग्रह:**
  - शनि सूर्य से छठा ग्रह है।
  - हमारे सौरमंडल का दूसरा सबसे बड़ा ग्रह है।
  - ज़्यादातर हाइड्रोजन और हीलियम से बना है।
  - यह एकमात्र ऐसा ग्रह नहीं है जिसके छल्ले हैं जो बर्फ और चट्टान के टुकड़ों से बने हैं।
  - 82 उपग्रहों के साथ सौरमंडल में शनि के सबसे अधिक उपग्रह अथवा चंद्रमा हैं।
  - सौरमंडल में सबसे छोटा दिन (10.7 घंटे)।
  - सूर्य के चारों ओर एक परिक्रमा में लगभग 29.4 पृथ्वी वर्ष लगते हैं।

और पढ़ें... शनि के रहस्यमय वलय और चरम झुकाव, शनि ग्रह के चंद्रमाओं पर मीथेन, शनि और बृहस्पति का महासंयुग्मन

आचार्य जे. बी. कृपलानी जयंती

हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री ने आचार्य जीवतराम भगवानदास (JB) कृपलानी को उनकी जयंती (11 नवंबर, 1888 को हैदराबाद, सिंध में) पर श्रद्धांजलि अर्पित की है।

- वह 1917 में गांधीजी के आंदोलन में शामिल हुए तथा असहयोग आंदोलन, **सविनय अवज्ञा आंदोलन और** भारत छोड़ो आंदोलन **का हिस्सा** भी रहे।

- स्वतंत्रता के समय वे **भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस (INC)** के अध्यक्ष थे। आज़ादी के बाद उन्होंने कॉन्ग्रेस छोड़ दी, वे**किसान मज़दूर प्रजा पार्टी (KMPP)** के संस्थापकों में से थे।
- उन्होंने **भारत-चीन युद्ध (1962)** के तुरंत बाद वर्ष 1963 में लोकसभा में पहली बार **अविश्वास प्रस्ताव** पेश किया।
- कृपलानी, **गांधी: हिज़ लाइफ एंड थॉट (1970) सहित कई पुस्तकों के लेखक थे। उनकी आत्मकथा 'माई टाइम्स' (My Times) वर्ष 2004 में मरणोपरांत** प्रकाशित हुई।

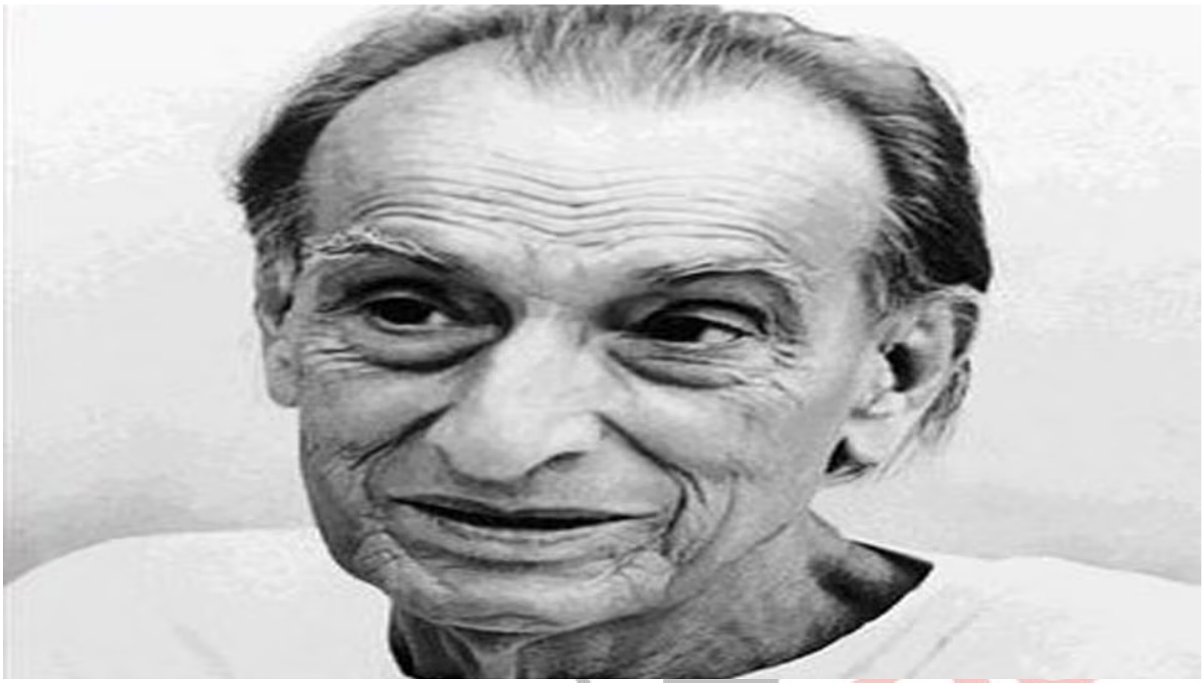

और पढ़ें... आचार्य कृपलानी

मौलाना आज़ाद जयंती

भारत के प्रधानमंत्री ने देश के प्रथम शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आज़ाद को उनकी जयंती (11 नवंबर, 1888 को मक्का, सऊदी अरब में) पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

- रूढ़िवादी और संकीर्ण विचारों को अस्वीकार करने हेतु उन्होंने **'आज़ाद' उपनाम अपनाया जिसका अर्थ है 'स्वतंत्र'।**
- आज़ाद ने **गांधीजी** द्वारा शुरू किये गए असहयोग आंदोलन **(1920-22)** का समर्थन किया और 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस में शामिल हुए।
- वह **स्वतंत्र भारत के पहले शिक्षा मंत्री थे और शिक्षा मंत्री** के रूप अपने कार्यकाल में उन्होंने **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, भारतीय सांस्कृतिक संबंध परिषद और भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान** की स्थापना की।
    - वर्ष 2008 से प्रतिवर्ष 11 नवंबर को मौलाना अबुल कलाम आज़ाद जयंती को **राष्ट्रीय शिक्षा दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
- मौलाना अबुल कलाम आज़ाद को मरणोपरांत वर्ष 1992 में भारत के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया गया था।

और पढ़ें...[**मौलाना अबुल कलाम आज़ाद**]

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-13-november,-2023